

*राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय*

*स्कूल स्तर कथक पाठ्यक्रम अंकविभाजन*

**MARKING SCHEME OF SCHOOL LEVEL**

*Sangeetika Junior Diploma in performing art- (S.J.D.P.A.)*

*2022 -23 (Private)*

| PAPER | SUBJECT - Kathak)                                 | MAX | MIN |
|-------|---|-----|-----|
| 1     | Theory -I History and Development of Indian dance | 100 | 33  |
| 2     | PRACTICAL - I Demonstration & Viva                | 100 | 33  |
|       | GRAND TOTAL                                       | 200 | 66  |

स्कूल स्तर के पाठ्यक्रम  
स्वाध्यायी विद्यार्थियों हेतु  
संगीतिका जूनियर डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट

विषय—सुगमनृत्य

शास्त्र

समय:— 3 घन्टे

पूर्णांक—100

1. असंयुक्त एवं संयुक्त हस्तमुद्राओं के नामों की जानकारी।
2. संगीत की परिभाषा एवं उस में नृत्य का स्थान।
3. भारत में प्रचलित शास्त्रीय नृत्यों से संबंधित नृत्यकारों के नामों की जानकारी।
4. भारत में प्रचलित प्रमुख शास्त्रीय नृत्यों की संक्षिप्त जानकारी।
5. भारत के प्रांतों से संबंधित प्रमुख लोक नृत्यों की जानकारी।
6. नृत्य से संबंधित प्राचीन तथा मध्यकालीन ग्रंथों व ग्रंथकारों के नामों की जानकारी।
7. अभिनय की परिभाषा एवं उसके प्रकारों का संक्षिप्त विवरण।
8. तीनताल (16—मात्रा), दादरा (6—मात्रा), एवंकहरवा (8—मात्रा) तालों का विस्तृत ज्ञान।
9. निम्नलिखितपरिभाषिक शब्दोंकाज्ञान :—  
मात्रा, ताली, खाली, सम, आवर्तन, ताल व लय।
10. भजन, गीत, गज़ल एवं लोक गीत का परिचयात्मक ज्ञान।

## संगीतिका जूनियर डिप्लोमा इन परफॉर्मिंगआर्ट

### विषय—सुगमनृत्य

#### प्रायोगिक

पूर्णांक— 100

1. असंयुक्त तथा संयुक्त हस्तमुद्राओं का श्लोक सहित प्रदर्शन।
2. तीनताल (16—मात्रा), दादरा (6—मात्रा) एवंकहरवा (8—मात्रा) तालों विभिन्न प्रकार के पद संचालन तथा नृत्य भेदों में उनका चलन तथा विनियोग।
3. निम्नलिखित में से प्रत्येक में तीन—तीन नृत्यों परभाव सहित प्रदर्शन।  
गीत, भजन एवं लोकनृत्य ( रैदास, तुलसीदास, सूरदास, मीरा, महादेवीवर्मा, मैथलीशरणगुप्तआदि।
4. उपरोक्त सभी तालों को हाथ से ताली—खाली सहित लगाने की क्षमता।
5. शास्त्र में आए सभी प्रश्नों का मौखिक रूप से उत्तर देने की क्षमता।

#### आंतरिक मूल्यांकन

**आवश्यक निर्देश—:** आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

- 1.कक्षा में सीखे गये रागो की स्वरलिपि/तोड़ो का विवरण
- 2.विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट